साई कष्ट निवारण मंत्र (Sai Kasht Nivaran Mantra)

साई कष्ट निवारण मंत्र (Sai Kasht Nivaran Mantra)
कष्टों की काली छाया दुखदायी है,
जीवन में घोर उदासी लायी है।
संकट को तालो साई दुहाई है,
तेरे सिवा न कोई सहाई है वा न कोई सहाई है।
मेरे मन तेरी मूरत समाई है,
हर पल हर शन महिमा गायी हैमा गायी है
घर मेरे कष्टों की आंधी आई है,
आपने क्यूँ मेरी सुध भुलाई है ूँ मेरी सुध भुलाई है।
तुम भोले नाथ हो दया निधान होधान हो,
तुम हनुमान हो तुम बलवान हो।
तुम्ही राम और श्याम हो,
सारे जग त में तुम सबसे महान हो।
तुम्ही महाकाली तुम्ही माँ शारदैं शारदे,
करता हूँ प्राथना भव से तार दे ँ प्राथना भव से तार दे।
तुम्ही मोहमद् हो गरीब नवाज़ हो,
नानक की बानी में ईसा केसाथ हो।
तुम्ही द्रम्बर तुम्ही कबीर होगम्बर तुम्ही कबीर हो,
हो बुध तुम्ही ओर महावीर हो।
सारे जगत का तुम्ही आधार हो,
निराकार भी और साकार हो राकार भी और साकार हो।
करता हूँ वंदना प्रेम विशवास से
शवास से,
सुनो साईं अल्लाह केवास्ते।
अधरों पे मेरे नहीं मुस्कान है,
घर मेरा बनने लगा शमशान है।

रहम नज़र करो उन्हे वीरान पे,
जिंदगी संवरेगी एक वरदान से ंदगी संवरेगी एक वरदान से।
पापों की घुप से तन लगा हारने,
आपका यह दास लगा पुकारने।
आपने सदा ही लाज बचाई है,
देर न हो जाये मन शंकाई है।
धीरे-धीरे धीरज ही खोता है,
मन में बसा विशवास ही रोता है शवास ही रोता है।
मेरी कल्पना साकार कर दो,
सूनी जिंदगी में रंग भर दो ंदगी में रंग भर दो।
ढोते-ढोते पापों का भार जिंदगी सेंदगी से,
में गया हार जिंदगी से ंदगी से।
नाथ अवगुण अब तो बिसारोसारो,

कष्टों की लहर से आकेउबारो।
करता हूँ पाप में पापों की खान हूँ
ूँ
ज्ञानी तुम ज्ञानेश्वर में अज्ञान हूँ ँ।
करता हूँ पगँ पग-पग पर पापों की भूल में,
तार दो जीवन ये चरणों की धूल से।
तुमने ऊजरा हुआ घर बसाया,
पानी से दीपक भी तुमने जलाया।
तुमने ही शिरडी को धाम बनाया
रडी को धाम बनाया,
छोटे से गाँव में स्वर्ग सजाया
ग सजाया।
कष्ट पाप श्राप उतारो,
प्रेम दया दृष्टि से निहारो
हारो।
आपका दास हूँ ऐसे न टालिए
ए,
गिरने लगा हूँ साईं संभालिये
ये।

साईजी बालक में अनाथ हूँ ँ
तेरे भरोसे रहता दिन रात हूँ
ूँ।
जैसा भी हूँ ँ, हँ तो आपकाँ तो आपका,
कीजे निवारण मेरे संताप का वारण मेरे संताप का।
तू है सवेरा और में रात हूँ ँ
मेल नहीं कोई फिर भी साथ हूँ ँ
साईं मुझसे मुख न मोड़ोो,
बीच मझधार अकेला न छोड़ो ो।
आपकेचरणों में बसे प्राण हे,
तेरे वचन मेरे गुरु समान है।
आपकी राहों पे चलता दास है,
ख़ुशी नहीं कोई जीवन उदास है ुशी नहीं कोई जीवन उदास है।
आंसू की धारा में डूबता किनारा
नारा,
जिंदगी में दर्द नहीं गुजारा नहीं गुजारा।
लगाया चमन तो फूल खिलायो
लायो,
फूल खिले है तो खुशबू भी लायो ले है तो खुशबू भी लायो।
कर दो इशारा तो बात बन जाये,
जो किस्मत में नहीं वो मिल जाये
ल जाये।
बीता ज़माना यह गाकेफ़साना,

सरहदे ज़िन्दगी मौत तराना न्दगी मौत तराना।
देर तो हो गयी है अंधेर ना हो,
फ़िक मिले लकिन फरेब ना हो रेब ना हो।
देकेटालो या दामन बचा लो,
हिलने लगी रहनुमाई संभालो लने लगी रहनुमाई संभालो।
तेरे दम पे अल्लाह की शान है,
सूफी संतो का ये बयान है ी संतो का ये बयान है।

गरीबों की झोली में भर दो खजाना,
ज़माने केवली करो ना बहाना।
दर केभिखारी है मोहताज है हम
खारी है मोहताज है हम,
शंहंशाये आलम करो कुछ करम।
तेरे खजाने में अल्लाह की रहमत,
तुम सदगुरू साईं हो समरथ।
आये हो घरती पे देने सहारा,
करने लगे क्यूँ हमसे किनारा
नारा।
जब तक ये ब्रह्मांड रहेगामांड रहेगा,
साईं तेरा नाम रहेगा।
चाँद सितारे तुम्हे पुकारेंगे
तारे तुम्हे पुकारेंगे,
जन्मोजनम हम रास्ता निहारेंगे हारेंगे।
आत्मा बदलेगी चोले हज़ार,
हम मिलते रहेंगे बारम्बार
लते रहेंगे बारम्बार।
आपकेकदमो में बेठे रहेंगे,
दुखड़े दिल केकहते रहेंगे
ल केकहते रहेंगे।
आपकी मर्जी है दो या ना दोजी है दो या ना दो,
हम तो कहेंगे दामन ही भर दो।
तुम हो दाता हम है भिखारी
खारी,
सुनते नहीं क्यूँ अर्ज़ हमारी
हमारी।
अच्छा चलो एक बात बता दो,
क्या नहीं तुम्हारे पास बता दो या नहीं तुम्हारे पास बता दो।
जो नहीं देना है इनकार कर दो,
ख़तम ये आपस की तकरार कर दो तम ये आपस की तकरार कर दो।
लौट केखाली चला जायूँगाँगा,
फिर भी गुण तेरे गायूँगा ँगा।

जब तक काया है तब तक माया है,
इसी में दुखो का मूल समाया है।
सबकुछ जान केअनजान हूँ मेंँ में,
अल्लाह की तू शान तेरी शान हूँ में ँ में।
तेरा करम सदा सब पे रहेगा,
ये चक्र युग-युग चलता रहेगा।
जो प्राणी गायेगा साईं तेरा नाम,
उसको मुक्ति मिले पहुंचे परम धाम
ले पहुंचे परम धाम।
ये मंत्र जो प्राणी नित दिन गायेंगे
न गायेंगे,
राहू , केतु , शनि निकट ना आयेंगे
कट ना आयेंगे।
टाल जायेंगे संकट सारे,
घर में वास करें सुख सारे।
जो श्रधा से करेगा पठन,
उस पर देव सभी हो प्रस्सन।
रोग समूल नष्ट हो जायेंगे,
कष्ट निवारण मंत्र जो गायेंगे वारण मंत्र जो गायेंगे।
चिंता हरेगा निवारण जापवारण जाप,
पल में दूर हो सब पाप।
जो ये पुस्तक नित दिन बांचे
न बांचे,
श्री लक्ष्मीजी घर उसकेसदा विराजे राजे।
ज्ञान, बुधि प्राणी वो पायेगा
प्राणी वो पायेगा,
कष्ट निवारण मंत्र जो घयायेगा वारण मंत्र जो घयायेगा।
ये मंत्र भक्तों कमाल करेगातों कमाल करेगा,
आई जो अनहोनी तो टाल देगा।
भूत-प्रेत भी रहेंगे दूर,
इस मंत्र में साईं शक्ति भरपूर
भरपूर।

जपते रहे जो मंत्र अगर,
जादू-टोना भी हो बेअसर।
इस मंत्र में सब गुण समाये,
ना हो भरोसा तो आजमाए।
ये मंत्र साई वचन ही जानो,
सवयं अमल कर सत्य पहचानो।
संशय ना लाना विशवास जगानाशवास जगाना,
ये मंत्र सुखों का है खज़ाना।
इस पुस्तक में साईं का वास,
जय साईं श्री साईं जय जय साईं।